

Regarding pollution of Gomti river in Uttar Pradesh श्री बाबू सिंह कुशवाहा (जौनपुर): सभापति जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद । मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान उत्तर प्रदेश की जीवनदायिनी गोमती नदी की खराब स्थिति की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ । गोमती नदी पीलीभीत जिले के माधोटांडा से निकलकर लगभग 960 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए गंगा नदी से मिलती है । आज प्रदूषण और अतिक्रमण के कारण अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रही है । यह नदी केवल जौनपुर, सुल्तानपुर, लखनऊ जैसे बड़े शहरों की जीवन रेखा ही नहीं बल्कि इसके किनारे बसे सैकड़ों गांवों की कृषि और जल आपूर्ति का मुख्य स्रोत भी है । प्रदूषण की विकराल समस्या है । गोमती नदी में औद्योगिक कचरे, घरेलू मल-जल और कृषि रसायनों का अनियंत्रित प्रवाह हो रहा है । जिससे नदी की जल गुणवत्ता गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। लखनऊ, बाराबंकी, सुल्तानपुर, जौनपुर जैसे प्रमुख शहरों में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट सीटीपी की उचित व्यवस्था न होने के कारण बिना उपचारित गंदा पानी नदी में प्रवाहित हो रहा है । सेंट्रल पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार गोमती नदी का जल क्लास-डी की श्रेणी में आ गया है, जो पेयजल तो दूर सिंचाई के उपयुक्त भी नहीं है ।

माननीय सभापति, गोमती नदी के किनारों पर अतिक्रमण और अवैध निर्माण तेजी से बढ़ रहे हैं, जिससे नदी का प्राकृतिक बहाव बाधित हो रहा है । विशेषकर जौनपुर और लखनऊ के आस-पास गोमती नदी की भूमि पर अवैध कब्जा कर बड़ी-बड़ी इमारतें बनायी जा रही हैं । जिससे नदी का स्वरूप नष्ट हो रहा है और बाढ़ का खतरा बढ़ता जा रहा है । जल स्तर में गिरावट आ रही है । नदी के उदगम क्षेत्र में वनों की अंधाधुंध कटाई व जल स्रोतों का अतिक्रमण होने से गोमती नदी का जल स्तर लगातार घट रहा है । गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, नोएडा की एक रिपोर्ट के अनुसार गोमती नदी में रिजर्व ऑक्सीजन का स्तर दो-तीन मिलीग्राम प्रति लीटर तक गिर गया है, जो मछलियों और जलीय जीवों के लिए भी घातक है ।

माननीय सभापति महोदय, गोमती नदी को पुनर्जीवित करने के लिए सरकार द्वारा शुरू में की गई ? (व्यवधान)

माननीय सभापति: माननीय सदस्य, आपकी मांग क्या है?

श्री बाबू सिंह कुशवाहा: सभापति महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से यह निवेदन है कि गोमती नदी की सफाई और उसको पुनर्जीवित करने के लिए विशेष कार्य योजना बनाई जाए । ? (व्यवधान) वहां पर नए एसटीपीज़ प्लांट स्थापित किए जाएं । अतिक्रमण हटाने के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाए । गोमती नदी के किनारों पर वृक्षारोपण अभियान चलाया जाए, जिससे भूजल स्तर बढ़ सके ।

HON. CHAIRPERSON: Hon. Member, very senior Ministers are sitting here. यहां पर संसदीय कार्य मंत्री मौजूद हैं ।

? (Interruptions)